2024

HINDI

Paper : HIN0300104

(भाषाविज्ञान, हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि)

Full Marks : 60

Time : 2½ hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) 'भाषा' शब्द के मूल में विद्यमान संस्कृत की 'भाष्' धातु का अर्थ क्या है?

(ख) भाषाविज्ञान के जिस अंग के अंतर्गत बोलियों का अध्ययन होता है, उसे क्या कहा जाता है?

(ग) मात्रा यानी उच्चारण-समय की दृष्टि से हिन्दी की 'ई' किस प्रकार की स्वर-ध्वनि है?

(घ) "लड़के ने हाथ से खाना खाया था।" इस वाक्य में कितने अर्थ तत्त्व हैं?

(ङ) "जो विद्यार्थी परिश्रम करेगा, उसे अवश्य ही सफलता प्राप्त होगी।" संरचना की दृष्टि से यह किस प्रकार का वाक्य है?

(च) 'पंकज' शब्द का अर्थ 'पंक में जनमने वाली हरेक चीज' के स्थान पर आजकल सिर्फ 'कमल' रह जाना अर्थ-परिवर्तन की किस दिशा का सूचक है?

(छ) 'हिन्दी' शब्द का उद्‌भव सामान्यतः संस्कृत के किस शब्द से माना जाता है?

(ज) देवनागरी (नागरी) लिपि के नामकरण के पीछे विद्यमान बताए जाने वाले कारणों में से किसी एक का उल्लेख कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं छः के अत्यंत संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×6=12

(क) "भाषा मानव-मुखोच्चरित यादृच्छिक ध्वनि-प्रतीकों की व्यवस्था है।" इस परिभाषा में प्रयुक्त 'यादृच्छिक' शब्द का आशय बताइए।

(ख) भाषाविज्ञान की एक परिभाषा दीजिए।

(ग) 'समाज-भाषाविज्ञान' में किन बातों का अध्ययन किया जाता है?

(घ) 'स्वर-ध्वनि' किसे कहते हैं?

(ङ) उदाहरण सहित 'पार्श्विक' व्यंजन-ध्वनि का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(च) शब्द और रूप (पद) में अंतर बताइए।

(छ) "वाक्य भाषा की सहज इकाई है।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(ज) भाषाविज्ञान के संदर्भ में 'अर्थ' शब्द के तात्पर्य को व्याख्यायित कीजिए।

(झ) राजस्थानी हिन्दी की मुख्य चार बोलियों का उल्लेख कीजिए।

(ञ) हिन्दी की एक प्रमुख बोली अवधी कहाँ-कहाँ बोली जाती है?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) "भाषा पैतृक नहीं, अपितु अर्जित सम्पत्ति है।" भाषा की विशेषता-संबंधी इस कथन पर प्रकाश डालिए।

(ख) भाषाविज्ञान के एक प्रमुख अंग 'वाक्यविज्ञान' के अंतर्गत किन बातों का अध्ययन किया जाता है?

(ग) ध्वनि-परिवर्तन के एक अन्यतम प्रमुख कारण 'बोलने में शीघ्रता' का स्वरूप सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(घ) संबंधतत्त्व के रूप में स्वतंत्र शब्द के प्रयोग पर उदाहरण सहित विचार कीजिए।

(ङ) अर्थ की दृष्टि से वाक्य के अलग-अलग प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

(च) 'अर्थ-विस्तार' का आशय समझाइए।

(छ) हिन्दी की एक बोली के रूप में खड़ीबोली का परिचय दीजिए।

(ज) देवनागरी लिपि की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) व्याकरण के साथ भाषाविज्ञान का संबंध निरूपित कीजिए।

(ख) व्यंजन-ध्वनि किसे कहते हैं? स्थान के आधार पर व्यंजन-ध्वनियों के वर्गीकरण पर प्रकाश डालिए।

(ग) अर्थ-परिवर्तन के किन्हीं पाँच प्रमुख कारणों पर सोदाहरण चर्चा कीजिए।

(घ) ध्वनि, व्याकरण, शब्द-भंडार एवं साहित्यिक प्रयोग की दृष्टि से आदिकालीन हिन्दी (1000 ई० से 1500 ई० तक) की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

(ङ) देवनागरी लिपि की कमियों का उल्लेख करते हुए उनके सुधार के लिए किए गए प्रयासों का खुलासा कीजिए।

★★★